पत्र लेखन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अपने विचारों, भावों, सूचनाओं आदि को दूसरे तक प्रेषित करना चाहता है। पत्र इसकार्य के लिए सबसे श्रेष्ठ साधन है। आज का जीवन बहुत जटिल है। मनुष्य को विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं से काम पड़ता रहता है। अपने काम को वह विभिन्न प्रकार के पत्रों के द्वारा पूरा करने की कोशिश करता है।

पत्र के प्रकार

पत्र मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं :- अनौपचारिक व औपचारिक पत्र।

1. अनौपचारिक पत्र :- ये पत्र अपने रिश्तेदारों, मित्रों आदि को लिखे जाते हैं। इन्हें व्यक्तिगत पत्र भी कहते हैं। इन पत्रों की विषय वस्तु घरेलू व निजी होती है। इन पत्रों की भाषा शैली में आत्मीयता का भाव होता है।
2. औपचारिक पत्र :- सरकारी औरगैर-सरकारी संदर्भों में औपचारिक स्तर पर भेजे जाने वाले पत्रों को औपचारिक पत्र कहा जाता है। इसमें व्यावसायिक, कार्यालयी प्रकार के पत्र होते हैं। औपचारिक पत्रों के दो प्रकार होते हैं:-

   (I) सरकारी,अर्द्ध-सरकारी, व्यावसायिक संदर्भ में लिखे जाने वाले पत्र– इन पत्रों की विषय-वस्तु प्रशासन, कार्यालय और कारोबार से संबंधित होती है। इनकी भाषा शैली और प्रारूप निश्चित होता है। सरकारी एवं अर्द्ध-सरकारी कार्यालयों, बैंकों और विभिन्न व्यावसायिक संस्थाओं द्वारा किया जाने वाला पत्र व्यवहार इस वर्ग में आता है। विभिन्न पदों के लिए दिए जाने वाले आवेदन भी इसी श्रेणी में आते हैं।

   (II) सामान्य जीवन व्यवहार तथा विशिष्ट संदर्भ में लिखे जाने वाले पत्र:- ये पत्र विविध क्षेत्रों के संबद्ध अधिकारियों को लिखे जाते हैं। इन पत्रों की विषय-वस्तु आम जीवन से जुड़ी होती है। इनपत्रोंका प्रारूपस्थिति व संदर्भ के अनुसार बदल सकता है। इसके अंतर्गत शुभकामना पत्र, बधाई पत्र, निमंत्रण पत्र, शोक पत्र, शिकायती पत्र, समस्या प्रधान पत्र, संपादक के नाम पत्र आदि आते हैं।

VASUNDHARAHINDI.COM

पत्र के अंग

पता व दिनांक:- औपचारिक पत्र में प्रेषक के विभाग का नाम, पता व दिनांक दिया जाता है। इसके बाई तरफ प्राप्तकर्ता का नाम, पद, विभाग आदि दिया जाता है।

संबोधन तथा अभिवादन:- औपचारिक पत्र में मान्यवर/ महोदय/ महोदया आदि का संबोधन किया जाता है। औपचारिक पत्रों में पदनाम के बाद अल्पविराम का प्रयोग नहीं होता।

पत्र की सामग्री या कलेवर:-

- पत्र की भाषा सरल होनी चाहिए तथा वाक्य छोटे-छोटे होने चाहिए।
- लिखी गई बातों का अर्थ स्पष्ट होना चाहिए।
- कलेवर बहुत विस्तृत नहीं होना चाहिए।
- सरकारी पत्रों में काटकर अगर कुछ लिखा जाता है, तो उस पर छोटे हस्ताक्षर होने चाहिए।
- पत्र में पुनरुक्ति नहीं होनी चाहिए।
- पत्र लिखते समय गागर में सागर शैली का प्रयोग किया जाना चाहिए।

पत्र का समापन:- औपचारिक पत्रों का अंतप्राय:निर्धारित स्वनिर्देश द्वारा होता है। जैसे– भवदीय, आपका शुभेच्छु, निवेदक, प्रार्थी आदि। इसके बाद पत्र लेखक के हस्ताक्षर होते हैं। हस्ताक्षर के नीचे प्रायः प्रेषक का पूरा नाम और पद का नाम लिखा जाता है।

नोट:- पत्र हमेशा नये पृष्ठ से आरंभ करना चाहिए।

VASUNDHARAHINDI.COM

1. आवेदन पत्र

मानव संसाधन विभाग के महाप्रबंधक को "मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव" पद के लिए आवेदन पत्र लिखिए।

सेवा में,
महाप्रबंधक
मानव संसाधन विभाग,
अबसनगर।

विषय :- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के पद के लिए आवेदन।

महोदय,
निवेदन यह है कि "रोजगार समाचार" दिनांक __________ में प्रकाशित विज्ञापन से पता चला कि आपके विभाग में "मार्केटिंगएग्जीक्यूटिव" की आवश्यकता है। मैं अपनी योग्यता व अनुभव के आधार पर इस पद के लिए आवेदन देना चाहता हूँ। मेरा विवरण कुछ इस प्रकार है :-
नाम- विशाल मेहता
पिता का नाम- महेश मेहता
जन्मतिथि - 26-10- 1994
पता - 1001 बी,मॉडल टाउन,उदयपुर।
मोबाइल- ....
शैक्षणिक योग्यताएँ :-
दसवीं सी.बी.एस.ई.2008 80% अंक
बारहवींसी.बी.एस.ई.2010 82% अंक
बी.ए. शंभू दयाल कॉलेज,उदयपुर विश्व-विद्यालय 2013 75% अंक
एम.बी.ए.उदयपुर विश्वविद्यालय 2015 77% अंक
अनुभव - 2 वर्ष का अनुभव
आशा करता हूँ आप मुझे साक्षात्कार का अवसर अवश्य देंगे।
धन्यवाद।
निवेदक
विशाल मेहता
दिनांक - ....
संलग्न : 10वीं, 12वीं,बी.ए.,एम.बी.ए. की सत्यापित प्रतिलिपि।

2. **समस्यासंबंधीपत्र**

आपके क्षेत्र की कानून व्यवस्था बहुत खराब है। लोग अपने आप को सुरक्षित अनुभव नहीं कररहे। इस संबंध में पुलिस आयुक्त कोपत्र लिखिए ताकि समस्या का समाधान हो सके।

सेवा में,
पुलिस आयुक्त
सहारनपुर, उत्तर प्रदेश।

विषय :- खराब कानून व्यवस्था के संदर्भ में।

महोदय,
निवेदन यह है कि हमारे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था दिन-पर-दिन बिगड़ती जा रही है। लोग भय और आतंक केसाये में जी रहे हैं।लोग आती-जाती महिलाओं पर अश्लील फब्तियाँ कसते हैं,आते-जाते लोगों के साथ छीना झपटी करते हैं, दुकानदारों से हफ्ता वसूल करते हैं। जो इनका विरोध करता है उसके साथ मारपीट करते हैं। घरों में चोरी की घटनाएँ आम हैं। सूरज छिपने के बाद घर से निकलना मुश्किल होता जा रहा है। बस स्टैंड के पास कुछ असामाजिक तत्व खड़े रहते हैं, जोयात्रियों का सामान-पैसे छीन लेते हैं।
आपसे निवेदन हैकिइस समस्या को गंभीरता से लें और शहर में शांति स्थापित करने के लिए उचित कदम उठाएँ।

धन्यवाद।

भवदीय
(रामप्रसाद)
दिनांक------------

VASUNDHARAHINDI.COM

3. <u>शिकायतीपत्र</u>

आप मुंबई से लुधियाना जाने के लिए स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे। जब आप लुधियाना उतरने लगे, तो आप ने पाया कि आपकी अटैची गायब है। अटैची का विवरण देते हुए रेलवे पुलिस के थाना अध्यक्ष को एक शिकायती पत्र लिखिए।

सेवा में,
थानाध्यक्ष
रेलवे पुलिस
लुधियाना(पंजाब)

विषय :- <u>स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस में अटैची चोरी के संदर्भ में</u>।

महोदय,
निवेदन यह है कि दिनांक __________ को मैं स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस सेS-7 कोच में यात्रा कर रहा था। जब मैं लुधियाना आने पर अपनी अटैची सीट के नीचे से निकालने के लिए झुका, तो मैंने पाया कि मेरी अटैची वहाँ नहीं थी, जो शायद रात में किसी समय चोरी हो गई। मेरी अटैची वी.आई.पी. की काले रंग की थी। अटैची में मेरे कुछ कपड़ेव लगभग पाँचहज़ाररुपये थे तथा मेरा विजिटिंग कार्ड भी था, जो सिद्ध करता है कि वह मेरी अटैची है।
आपसे निवेदन है कि शीघ्र-अतिशीघ्र उचित कार्यवाही करें। मैं सदा आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद।

निवेदक
हस्ताक्षर
(कखग)
फोन नंबर
दिनांक

VASUNDHARAHINDI.COM

4.1 संपादक के नाम पत्र

भारत केकुछ राज्यों में पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं की संख्या बहुत कम है। इसका आप क्या कारण मानते हैं और आपकी राय में इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए क्या किया जा सकता है? किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखकर बताइए।

सेवा में,
संपादक
नवभारत टाइम्स
जयपुर (राजस्थान)

विषय :- महिलाओं की घटती संख्या के संदर्भ में।

महोदय,
मैं आपके दैनिक समाचार पत्र का नियमित पाठक हूँ। मैं आपके समाचार पत्र के माध्यम से महिलाओं की घटती संख्या की ओर समाज का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। मेरे विचार कुछ इस प्रकार हैं :-

समाज में घटती महिलाओं की संख्या

भारत में पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों की संख्या काफी कम है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में महिलाओं की संख्या पुरुषों की अपेक्षा काफी कम है। हरियाणा और पंजाब में यह स्थिति चिंताजनक है। ये राज्य आर्थिक रूप से संपन्न राज्य हैं। प्रश्न यह उठता है कि फिर इन राज्यों में स्त्रियों की संख्या क्यों कम है? हमें लगता है किइसका मुख्य कारण है - भ्रूण हत्या। चाहे आज हम कितने भी संपन्न क्यों नहों और आधुनिक क्यों न हों, हमें पुत्री नहीं, पुत्र ही चाहिए। पुत्र की लालसा में पुत्रीकी गर्भ में ही हत्या कर दी जाती है। अगर ये सिलसिला ऐसे ही चलता रहा तो समाज का संतुलन बिगड़ जाएगा। समाज को चलाने के लिए स्त्रियों की भी अहम भूमिका है। आज लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। लोगों को बताने की आवश्यकता है कि लड़कियों और लड़कों में कोई अंतर नहीं है। अगर समाज में लड़कों की संख्या अधिक हो गई तो समाज का संतुलन बिगड़ जाएगा। समाज के उचित विकास के लिए लड़की के जन्म को प्रोत्साहित करना जरूरी है।

आशा करताहूँकि आप इसे अपने समाचार पत्र में जरूर प्रकाशित करेंगे।

धन्यवाद।

निवेदक
हस्ताक्षर
नाम – क खग
पता-……………….
दिनांक__________

VASUNDHARAHINDI.COM

4.2

किसी प्रमुख समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर गाँवों में चिकित्सा-सुविधाओं के अभाव का उल्लेख कीजिए और कुछ गाँवों के बीच विशेष चिकित्सा-सुविधाओं वाले अस्पताल खोलने का सुझाव दीजिए।

सेवा में,
संपादक,
राजस्थान पत्रिका,
जोधपुर(राजस्थान)
विषय :- गाँवों की चिकित्सा सुविधाएँ।
महोदय,
मैं आपके समाचार पत्र का नियमित पाठक हूँ। मैं आप के समाचार पत्र के माध्यम से गाँवों की चिकित्सा-सुविधाओं की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ:-

गाँवों की चिकित्सा सुविधाएँ

भारत की बहुत बड़ी जनसंख्या गाँवों में रहती है, परंतु गाँवों में चिकित्सा-सुविधाएँ उचित नहीं हैं। गाँवों में सरकारी चिकित्सालय हैं, जहाँ पर डॉक्टर नहीं हैं।डाक्टरहैं, तो गाँव में अपनी मर्जी से जाते हैं। चिकित्सालय में पूरा समय बैठते ही नहीं हैं। डॉक्टर विशेषज्ञ भी नहीं। आखिरकार मरीजों को शहर जाना पड़ता है। शहर में उनका पैसा तो व्यय होता ही है,साथहीदसतरह की दिक्कतें भी होती हैं।

इसलिए मैं सुझाव देना चाहती हूँकि आस-पास के चार-छः गाँवों के लिए एक सुविधाओं से संपन्न और विशेषज्ञों सेयुक्त चिकित्सालय खोले जाएँ। हमारे देश में चिकित्सा-सुविधाओं का विस्तार करना अति आवश्यक है।

आशा करती हूँकिजन जागृति के लिए आप मेरे विचारों को अपने समाचार पत्र में अवश्य उचित स्थान देंगे।

धन्यवाद।

भवदीया

हस्ताक्षर

नाम - सुदेश कुमारी

पता - ……………..

दिनांक- _________

VASUNDHARAHINDI.COM

कुछ अन्य विषय

5.1

भाँति-भाँति के अंधविश्वास और भ्रांतियाँफैलाने में टी.वी. माध्यमों के इस्तेमाल पर उन्हें रुकवाने के दिशा-निर्देश जारी करने के लिए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्री को पत्र लिखिए।

सेवा में,
मंत्री महोदय,
सूचना और प्रसारण मंत्रालय,
नई दिल्ली।

विषय – टी.वी. माध्यमों से प्रसारित अंधविश्वासों पर लगाम।

महोदय,
मंत्री महोदय! टी.वी. पर प्रसारित अंधविश्वास से परिपूर्ण कार्यक्रमों के संदर्भ में मैं कहना चाहता हूँ कि इन पर लगाम लगनी चाहिएक्योंकि इस प्रकारके कार्यक्रम दर्शकों की बुद्धि को कुंद कर देते हैं, उन्हें बेकार के भ्रमजाल में फँसाते हैं,जिससे लोगों में अंधविश्वास बढ़ते हैं। कुछ व्यावसायिक कंपनियाँ लोगों के अंधविश्वास का उपयोग करके अपना माल बेचती हैं। ये कंपनियाँ नग, अंगूठी, कीमती पत्थर, भस्म, माला आदि के विज्ञापन देती हैं और लोगों के अंधविश्वास का फ़ायदा उठाकर लोगों को अपना माल बेचती हैं। इससे लोगों का आर्थिक शोषण तो होता ही है, साथ ही भ्रामक प्रचार भी खूब बढ़ता है। आपसे निवेदन है कि अंधविश्वास, आर्थिक शोषण करने वाले इन गोरखधंधों पर लगाम लगनी अति आवश्यक है,जोकि समाज के हित के लिए अति आवश्यक है।

धन्यवाद।

निवेदक

हस्ताक्षर
नाम - सोहनलाल
पता ______________
दिनांक ....

VASUNDHARAHINDI.COM

5.2

सड़क पर आपके साथ हुई दुर्घटना और वहाँ खड़ी पुलिस का असहयोग पाकर आपने थाने में रिपोर्ट लिखानीचाही, किंतु नहीं लिखी गई। इस संदर्भ में पुलिस आयुक्त को पत्र लिखिए।

सेवा में,
आयुक्त,
राजस्थान पुलिस मुख्यालय,
जयपुर (राजस्थान)

विषय - पुलिस का असहयोग

महोदय,
निवेदन यह है कि आज सुबह मैं अपनी मोटरसाइकिल से अपने दफ्तर जा रहा था किएक जीप पीछे से तेजी के साथ आई और मुझे टक्कर मार कर आगे निकलगई।मेरी मोटरसाइकिलफिसलकर सड़क के किनारे नीचे चली गई और मैं गिर गया। इससे मेरे हाथ में गंभीर चोट आई। मैंने वहाँ खड़े ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारी को बताया तो उसने मेरी बात पर कोई ध्यान नहीं दिया। इसके बाद मैं निकट के थाने पर पहुँचा और अपने साथ घटित घटना की मैंने रिपोर्ट करवानी चाही।वहाँ किसी ने मेरी रिपोर्ट नहीं लिखी,बल्कि मुझे धमकाकर थाने से निकाल दिया गया।
आपसे निवेदन है कि आप मेरी शिकायत पर जरूर ध्यान देंगे और मुझे न्याय दिलाएँगे।

धन्यवाद।

निवेदक

हस्ताक्षर
नाम - अखिल पाल
पता ________________
दिनांक ....

VASUNDHARAHINDI.COM

5.3

आपके क्षेत्र में भीषण बाढ़ के कारण मची तबाही और राहत कार्यों की अपर्याप्तताकी ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर तुरंत कदम उठाने का अनुरोध कीजिए।

सेवा में,
मुख्यमंत्री,
राजस्थान।

विषय - बाढ़ राहत कार्य हेतु।

महोदय,
निवेदन यह है कि जोधपुर व उसके आसपास के कस्बों में अत्यधिक वर्षा होने के कारणनिचले इलाकों में पानी भर गया है।नदी, नाले व गंदे पानी की अधिकता के कारण उन पर चादर चल रही है, जिससे बाढ़ आ गई है। चारों ओर तबाही मची हुई है, लोग बेघर हो गए हैं, खड़ी फसलें तबाह हो गई है।
राहत कार्य की बातें तो हो रही है, पर केवल बातें ही हो रही हैं। राहत सामग्रीकहाँ जा रही है, पता नहीं। लोग गंदगी में रह रहे हैं, उनके रहने की भी उचित व्यवस्था नहीं है। राहत शिविर नहीं लगाए गए हैं, लोगों का भूख से बुरा हाल है।
आपसे निवेदन है बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत शिविर लगाए जाएतथा लोगों के खाने और चिकित्सा का उचित प्रबंध किया जाए।बिजली-पानी की व्यवस्था, जो बाढ़ के कारण ठप्प पड़ी है, उसे जल्द सेजल्दठीक किया जाए।

धन्यवाद।

निवेदक
हस्ताक्षर
(सागर कोठारी)
जिला कलेक्टर,जोधपुर
दिनांक ....

* * * * *

VASUNDHARAHINDI.COM